

अध्याय - 4 | प्राणी जगत

- कॉरडेट प्राणियों की मुख्य पहचान क्या है?
 - पृष्ठ रज्जु का अभाव
 - पृष्ठ रज्जु की उपस्थिति
 - पादों की उपस्थिति
 - पंखों का अभाव

(B)

व्याख्या: कॉरडेटा संघ के प्राणियों में पृष्ठ रज्जु, पृष्ठ खोखली तंत्रिका रज्जु और युग्मित ग्रसनी क्लोम छिद्र उपस्थित होते हैं, जो इनकी मुख्य पहचान हैं।
- सभी करेलुकी रज्जुकी होते हैं, परंतु सभी रज्जुकी करेलुकी क्यों नहीं होते?
 - क्योंकि सभी में मेरुदंड नहीं होता
 - क्योंकि सभी में पंख नहीं होते
 - क्योंकि सभी में ग्रसनी छिद्र नहीं होते
 - क्योंकि सभी उष्णारकी नहीं होते

(A)

व्याख्या: सभी करेलुकी प्राणियों में मेरुदंड होता है, जबकि कुछ रज्जुकी जैसे यू-कोरडेट्स और सेफैलोकोरडेट्स में मेरुदंड का अभाव होता है।
- साइक्लोस्टोमेटा वर्ग के प्राणी किस प्रकार होते हैं?
 - मुक्तजीवी
 - बाह्य परजीवी
 - स्थलीय शिकारी
 - शाकाहारी

(B)

व्याख्या: साइक्लोस्टोमेटा वर्ग के सभी प्राणी जबड़ों के बिना मछलियों के बाह्य परजीवी होते हैं, जैसे लैम्फ्रे।
- साइक्लोस्टोम में जबड़े कैसे होते हैं?
 - अस्थिल जबड़े
 - उपास्थिल जबड़े
 - अनुपस्थित
 - कठोर जबड़े

(C)

व्याख्या: साइक्लोस्टोमेटा में जबड़ों का अभाव होता है; इनका मुख वृत्ताकार और चूषणीय होता है।
- साइक्लोस्टोमेटा में पंखों का क्या प्रकार होता है?
 - दो जोड़ी युग्मित पंख
 - केवल एक पृष्ठीय पंख
 - युग्मित पंखों का अभाव
 - डिल्लीदार पंख

(C)

व्याख्या: साइक्लोस्टोमेटा में युग्मित पंखों का अभाव होता है और इनका शरीर शल्क रहित होता है।

- 'कांड्रीकथीज' वर्ग की मछलियों में कंकाल किस प्रकार का होता है?
 - अस्थिल
 - उपास्थिल
 - रेशेदार
 - कोई नहीं

(B)

व्याख्या: कांड्रीकथीज वर्ग की मछलियाँ समुद्री होती हैं और इनका अंतःकंकाल उपास्थिल (cartilaginous) होता है।
- कांड्रीकथीज वर्ग की त्वचा पर किस प्रकार के शल्क पाए जाते हैं?
 - साइक्लोड
 - क्यूटिक्लर
 - पट्टाम
 - टीनोड्ड

(C)

व्याख्या: कांड्रीकथीज की त्वचा दृढ़ एवं सूक्ष्म पट्टाम शल्कों से ढकी होती है जो दाँतों के रूप में रूपांतरित हो जाते हैं।
- ओस्टिकथीज वर्ग की मछलियों में वायुकोष का कार्य क्या है?
 - श्वसन
 - उत्सर्जन
 - उत्प्लावन या तैरने में सहायता
 - पाचन

(C)

व्याख्या: ओस्टिकथीज वर्ग की मछलियों में वायुकोष होता है जो तैरने और उत्प्लावन बनाए रखने में सहायता करता है।
- कांड्रीकथीज वर्ग की मछलियों में हृदय कैसा होता है?
 - तीन प्रकोष्ठीय
 - चार प्रकोष्ठीय
 - दो प्रकोष्ठीय
 - एक प्रकोष्ठीय

(C)

व्याख्या: कांड्रीकथीज वर्ग की मछलियों में हृदय दो प्रकोष्ठों वाला होता है — एक आलिन्द और एक निलय।
- निम्न में से कौन-सी मछली ओस्टिकथीज वर्ग की है?
 - स्कॉलीओडॉन
 - ट्रायगोन
 - रोहू
 - टॉरपीडो

(C)

व्याख्या: रोहू (लाबेओ) एक अस्थिल मछली है और यह ओस्टिकथीज वर्ग की सदस्य है।